एसआरयू वर्ल्ड

मासिक समाचार पत्रिका

वर्ष -2, अंक -19, माह - अगस्त 2024

शिक्षा वह संस्कार है जो हमें अपने कर्तव्यों को समझने में मदद करता है।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी, रायपुर (छ.ग.)

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में दीक्षारंभ 2024-25 का शुभारंभ..
नव प्रवेशित विद्यार्थी हुए यूनिवर्सिटी के शैक्षणिक परिवेश से परिचित...
समाज में जीने की कला सीखने एवं सम्मान पाने के लिए शिक्षा आवश्यक..प्रो. यू के मिश्रा

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में 1 अगस्त 2024, गुरुवार को दीक्षारंभ 2024-25 का उद्घाटन सत्र आयोजित किया गया। दीक्षारंभ के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि प्रो. (कर्नल) यू. के. मिश्रा, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय नियामक आयोग, रायपुर (छ.ग.) एवं विशिष्ट अतिथि श्री तपन कुमार चक्रवर्ती, छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के पूर्व कानूनी सलाहकार ने विद्यार्थियों के समक्ष अपने विचार व्यक्त किये। दीक्षारंभ की शुरुआत दीप प्रज्वलन और राज्यगीत के साथ की गई। समारोह के स्वागत उद्बोधन में यूनिवर्सिटी के प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम ने सभी अतिथियों का हार्दिक स्वागत करते हुए कहा कि यहाँ उपस्थित अतिथियों , प्राध्यापकों और नव प्रवेशित विद्यार्थियों का अध्यात्म, शिक्षा एवं सेवा के त्रिवेणी संगम के परिसर में स्वागत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने नए विद्यार्थियों से कहा कि आज का दिन उन नव प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए दीक्षारंभ का दिवस है जिन्होंने अपने भविष्य के लिए सपने सजाए हुए हमारी यूनिवर्सिटी का चयन

किया हैं।कुलपति प्रो. एस. के. सिंह ने यूनिवर्सिटी का संक्षिप्त विवरण देते हुए श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में संचालित 143 कोर्स और ग्रीन कैंपस से छात्रों को परिचित कराया और उन्होंने सभी नव प्रवेशित विद्यार्थियों से कहा कि मैं विश्वविद्यालय की ओर से विश्वास दिलाना चाहता हूं कि जिन सपनों को पूरा करने के लिए,जिस उम्मीदों से आपने इस यूनिवर्सिटी में प्रवेश लिया है आपके उन सपनों यूनिवर्सिटी पूर्ण करने में कोई कमी नहीं करेगी। श्री तपन कुमार चक्रवर्ती ने विद्यार्थियों से अपना अनुभव साझा करते हुए उन्हें प्रेरित किया। उन्होंने गुरुदेव महाराज श्री का यूनिवर्सिटी को लेकर जो स्वप्न है उसकी सराहना करते हुए विद्यार्थियों से कहा कि आपको तकनीक के हिसाब से तेज चलना होगा क्योंकि हर मिनट में तकनीक बदल रही है।

मुख्य अतिथि प्रो. (कर्नल) यू. के. मिश्रा कहा कि- शिक्षा मात्र तथ्यों को सीखना नहीं है अपितु यह मस्तिष्क को विचार करने के लिए प्रशिक्षित करना है, और यह मात्र यूनिवर्सिटी में योग्य प्रशिक्षकों के सानिध्य में ही संभव होगा । आगे उन्होंने महापुरुषों के कथनों को उधृत करते हुए कहा कि हमे समाज में जीने की कला सीखने एवं सम्मान पाने के लिए उच्च शिक्षा प्रपात करना आवश्यक है। प्रो. आर. आर. एल. बिरली, डीन एकेडमिक, एसआरयू द्वारा ओरिएंटेशन व्याख्यान दिया गया तथा उन्हें विभिन्न संकायों के अधीन संचालित विभागों में संचालित पाठ्यक्रमों से परिचित कराया और यूनिवर्सिटी के टी.पी.ओ. एम.डी. शादाब आलम ने विभिन्न संस्थानों में विद्यार्थियों के प्लेसमेंट के बारे में बताया ।सभागार में उपस्थित सभी अतिथियों एवं विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों ने सभी नव प्रवेशित विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए मंगल कामना की। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों को गुरु प्रसाद एवं प्रतीक चिन्ह भेंट किया गया तत्पश्चात कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी को शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सागर साहू और डॉ. सिन्दूरा भार्गव के द्वारा किया गया ।

एस.आर.यू दीक्षारंभ 2024-25 के द्वितीय दिवस में इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन..

यूनिवर्सिटी मात्र ज्ञानार्जन ही नहीं विभिन्न संस्कृतियों का संगम स्थल भी है ... डॉ. सुशील त्रिवेदी

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के तीन दिवसीय दीक्षारंभ समारोह के द्वितीय दिवस में मुख्य अतिथि डॉ. सुशील त्रिवेदी, पूर्व आई.ए.एस. एवं विशिष्ट अतिथि प्रो. एस.के. पाण्डेय, लोकपाल एस.आर.यू उपस्थित थे। कार्यक्रम का आरंभ औपचारिक दीप प्रज्वलन और राज्य गीत के साथ हुआ ,तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत उद्बोधन करते हुए यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. एस.के.सिंह ने नवागंतुक विद्यार्थियों को कुलाधिपति श्री रवि शंकर जी महाराज के अमृत वचन सुनाते हुए कहा कि शिक्षा का मुख्य उद्देश्य मानव मष्तिष्क की असीम क्षमताओं को जागृत करना तथा उसमें नव विचारों का सृजन करना है। दीक्षारंभ विभिन्न परिवेशों और संस्कृतियों से आए हुए विद्यार्थियों के समाजीकरण का माध्यम है। प्रो. एस.के. पाण्डेय ने अपने विशिष्ट उद्बोधन में विद्यार्थियों को अध्ययन एवं शोध के साथ चरित्र निर्माण पर विशेष बल दिया। उन्होंने प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति की उपलब्धियों को उद्धृत करते हुए विद्यार्थियों की तुलना बीज से की, जिसे अंकुरित होने से लेकर विकास की प्रक्रिया में जितना उचित वातावरण और देखभाल दिया जाता है वे उतने ही होनहार वृक्ष बनते हैं।डॉ. सुशील त्रिवेदी ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि 21वीं शताब्दी की आवश्यकताओं के अनुरूप हमें युवा पीढ़ी को तकनिकी शिक्षा, सामाजिक शिक्षा एवं वैज्ञानिक ज्ञान तो देना ही है, किन्तु उन्हें तकनिकी की दासता से भी बचाना है। अति आकांक्षाओं से उत्पन्न बेचैनी के कारण युवा साथियों में स्वाभिमान और नैतिक आत्मबल में कमी आती है। यूनिवर्सिटी मात्र ज्ञानार्जन ही नहीं विभिन्न संस्कृतियों का संगम स्थल भी है यह विद्यार्थियों के मध्य सामंजस्य बढ़ा कर एक सहअस्तित्व आधारित मनोवृत्ति का सृजन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शिक्षा विद्यार्थी और आचार्य दोनों के परस्पर विकास का एक मात्र साधन है। अंत में प्रो. आर. आर. एल. बिरली, डीन एकेडमिक द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। मंच का संचालन डॉ. सागर साहू और डॉ. सिन्दूरा भार्गव के द्वारा किया गया ।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी दीक्षारंभ 2024 -25 के समापन समारोह में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

प्राचीन भारतीय दर्शन एवं ज्ञान हमें मानवता के प्रति संवेदनशील और उत्तरदाई बनाते हैं.... डॉ. रविंद्र शुक्ला

एस.आर.यू में आयोजित त्रीदिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम के अंतिम दिन भव्य समापन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व शिक्षा मंत्री (यू.पी) एवं अंतर्राष्ट्रीय हिंदी साहित्य भारती के अध्यक्ष डॉ. रविंद्र शुक्ला रहे। समारोह में नव प्रवेशित विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. एस.के.सिंह ने स्वागत उद्बोधन में मंचासीन मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि, शिक्षक और नव प्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत और कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि इस यूनिवर्सिटी का शिक्षा प्रदान करने का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को ज्ञान के साथ चरित्र निर्माण करना और व्यष्टिवादी नहीं वरन समष्टिवादी बनाना है। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में हिंदी साहित्य भारती, से.नि. सचिव ओबीसी आयोग (छ.ग.) के जिला अध्यक्ष डॉ. बलराम दाऊ साहू ने विद्यार्थियों को अपने आत्मतत्व को पहचानने के लिए श्रीमद भागवत गीता और रामायण में अन्तर्निहित सामाजिक दर्शन, शिक्षा दर्शन, जीवन दर्शन और आत्मदर्शन से प्रेरणा लेने की बात कही। अपने उद्बोधन में डॉ. चितरंजन कर, से.नि.प्रो. साहित्य एवं भाषा में एसओएस, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर ने नव प्रवेशित विद्यार्थियों को अपने विचार साझा करते हुए कहा कि भारत देश मानवता की जन्म भूमि है जहाँ सत्य ही ज्ञान है और स्वाध्याय के माध्यम से आत्मज्ञान प्राप्त करना ही परम ज्ञान है। मुख्य अतिथि डॉ. रविंद्र शुक्ला ने भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व और औचित्य को समझाते हुए नव प्रवेशित विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा के अध्ययन का परामर्श दिया ।उन्होंने कहा कि प्राचीन भारतीय दर्शन एवं ज्ञान हमें मानवता के प्रति संवेदनशील और उत्तरदाई बनाते हैं। ये हमारे आत्म विश्वास को बढ़ाने वाली गर्वोक्ति का उन्नयन करते हैं।तत्पश्चात मंचासीन सभी अतिथियों द्वारा लेखिका सुषमा पाठक ₹रानू₹ की गीत संग्रह ₹मारो गोली गम को सारे₹ और लेखिका डॉ. सुनीता मिश्रा की यात्रा संस्मरण ₹अबूझमाड़ से मणिकर्णिका तक₹ का विमोचन किया गया ।समापन समारोह में आयोजित कवि सम्मलेन में डॉ. सुनीता मिश्रा ने कविताओं के माध्यम से सभागार में उपस्थित सभी विद्यार्थियों को प्रेरित किया और नव प्रवेशित विद्यार्थियों ने बॉलीवुड और छत्तीसगढ़ी स्टाइल में ग्रुप डांस एवं ग्रुप सांग में भी अपने हुनर का परिचय दिया। कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी को शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सागर साहू द्वारा किया गया ।

श्री रावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट रायपुर में मनाया गया विश्व स्तनपान सप्ताह..

श्री रावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग में 1 से 7 अगस्त तक विश्व स्तनपान दिवस मनाया गया जो की वर्ष 2024 के थीम "अंतर को कम करना, सभी के लिए स्तनपान समर्थन" पर आधारित था। जिसके अंतर्गत छात्राओं ने विभिन्न कार्यक्रम पोस्टर मेकिंग, स्कीट, हेल्थ एजुकेशन, सेमीनार के माध्यम से स्तनपान सम्बंधित महतवपूर्ण तथ्यों को डॉ. भीम राव अम्बेडकर हॉस्पिटल रायपुर में माँताओं एवं उनके परिजनो को जागरूक किया। एस.आर.आई.एन के विद्यार्थियों ने स्तनपान से सम्बंधित निम्न बिन्दुओ के बारे में बताया जैसे की :प्रसव के पहले घंटे के अंतर्गत नवजात शिशु को स्तनपान कराना , माँ का दूध सही तापमान में उपलब्ध होता है जो की शिशु के आंत में आसानी से डाइजेस्ट हो जाता है , माँ के दूध में शिशु के शारीरक और बोद्धिक विकास के लिए पोषक तत्व सही मिश्रण में होता है और मौजूद एंटीबाडी बच्चे को संक्रमण, एलर्जी, अस्थमा और अन्य पाचन संबंधी समस्याओं से बचाता है इसके साथ-साथ संतुलित आहार के फायदे और स्तनपान के तरीके को भी बताया गया। श्री रावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग की प्राचार्य प्रोफेसर अन्नपूर्णा साहू को यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. एस. के सिंह और कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा ने विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर जागरूक अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम के सफलता पूर्वक समपन्न करने की बधाई दी।

एस.आर.यू में मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस...
भारतीय आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा को किया स्मरण..

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। आयोजन में यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो.एस.के सिंह, कुलसचिव डॉ.सौरभ कुमार शर्मा और मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी राजेश तिवारी ने अपने विचार व्यक्त किये। प्रो.एस.के सिंह ने आदिवासी लोंगो की समाज एवं प्रकृति को दिए गए योगदान की सरहाना करते हुए बताया कि पृथ्वी का 20 प्रतिशत क्षेत्र अनुसूचित जनजातियों के द्वारा संचालित है और हमारे देश का 8 प्रतिशत और छत्तीसगढ़ में लगभग 90 लाख जनसँख्या आदिवासियों की है इसलिए छत्तीसगढ़ में यूनिवर्सिटी की स्थापना का मुख्य उद्देश्य कम लागत में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। इसके साथ प्रो. सिंह ने कहा कि हमें उनके पारम्परिक जीवन और संस्कृति को जीवित रखते हुए जीवन की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयाश करना चाहिए। सी.पी.आर.ओ राजेश तिवारी ने अपना व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए बताया कि आदिवासी लोगों का जीवन छत्तीसगढ़ में मुख्यता बस्तर संभाग के जगदलपुर और दंतेवाड़ा क्षेत्र में घने जंगलों के मध्य प्राकृतिक संपदा का उपयोग कर व्यतीत होता है। बैगा जनजाति के लोग हल्दी भाषा और प्रकृति से प्राप्त जड़ी बूटी जैसे हरश्रिंगार आदि का चिकत्सा के लिए उपयोग करते हैं और अपनी संस्कृति से रीतिरिवाज का आज भी सम्मान करते हैं। कुलसचिव डॉ.सौरभ ने विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर भारतीय आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा को स्मरण करते हुए सभी को शुभकामनायें दी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा छत्तीसगढ़ी लोकनृत्यों में सुआ, राउत नाचा, करमा, ककसार नृत्य और लोकगीत सोहर सवनाही की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का समन्वय डॉ सत्यज तिवारी और संचालन डॉ. सागर साहू द्वारा किया गया।

कला संकाय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा सेंट्रल जेल रायपुर का किया गया शैक्षणिक भ्रमण...
विद्यार्थियों ने जेल में कैदियों द्वारा संचालित उद्योगों का किया अवलोकन...

एस आर यू के कला संकाय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा सेंट्रल जेल रायपुर का शैक्षणिक भ्रमण किया गया भ्रमण में कला संकाय एवं विधि विभाग विभाग के छात्र-छात्रा उपस्थित रहे। विद्यार्थियों को इस भ्रमण से कुछ नवीन सीखने का उत्साह रहा और भ्रमण के द्वारा महत्वपूर्ण तथ्य प्रपात किये।

इस शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को कैदियों के बारे में अनुभवजन्य रूप से जानने, उनके मुद्दों को समझने, स्थितियों का विश्लेषण करना था। विद्यार्थियों ने अपनी प्रशनावली में कैदियों से कार्य करवाना, कैसे और कितने प्रकार के कार्य,उन्हें मिलने वाली सुविधाएं, पैरोल का लाभ, कैदियों को अपने परिवार के सदस्यों से मिलने की प्रक्रिया,उनसे सम्बंधित सुधार कार्यक्रम और कैदियों के सामाजिक जीवन व्यतीत करने की प्रक्रिया को समझा।

इसके साथ-साथ विद्यार्थियों ने जेल में कैदियों के लिए स्वास्थ्य सुविधाएँ और जेल के माहौल को जाना जेल भ्रमण में विद्यार्थियों ने यह अवलोकन किया किया कि जेल के भीतर धातु कार्य उद्योग में कैदी धातु निर्माण से संबंधित विभिन्न कार्यों में संलग्न होते हैं। इसमें वेल्डिंग, कटिंग और विभिन्न उद्देश्यों के लिए धातु के हिस्सों को जोड़ना शामिल है। इसका उद्देश्य कैदियों को विशेष तकनीकों में प्रशिक्षित करना है, जिससे उनके व्यावसायिक कौशल में वृद्धि हो सके। आउटपुट में आंतरिक उपयोग और बाहरी बिक्री दोनों के लिए उपकरण और भागों जैसे कार्यात्मक धातु उत्पाद शामिल हैं।

धातु कार्य के दौरान कैदी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया जाता है।वस्त्र उद्योग से सम्बंधित जेल के भीतर वस्त्र उद्योग परिधान और कपड़ा उत्पादों के उत्पादन पर केंद्रित है। यह क्षेत्र कैदियों के लिए आवश्यक कपड़े उपलब्ध कराने में मदद करता है और बाहरी बाजारों में योगदान देता है। कैदी कपड़ों की सिलाई, सिलाई और गुणवत्ता नियंत्रण पर काम करते हैं। अर्जित कौशल रिहाई के बाद रोजगार के अवसरों के लिए प्रासंगिक हैं।

मूर्तिकला उद्योग में यह अवलोकन किया गया कि मूर्तिकला उद्योग कैदियों को कलात्मक प्रयासों में संलग्न होने, मूर्तियां और अन्य कलात्मक टुकड़े बनाने की अनुमति देता है। यह उद्योग कैदियों के लिए एक रचनात्मक आउटलेट प्रदान करता है, जो मानसिक कल्याण को बढ़ावा देता है जिससे कैदी कलात्मक कौशल और शिल्प कौशल विकसित करते हैं।

साबुन उद्योग में बार और तरल साबुन सहित विभिन्न साबुन उत्पादों का उत्पादन शामिल है। कैदी साबुन उत्पादन के सभी चरणों में भी भाग लेते हैं, सामग्री को मिलाने से लेकरपैकेजिंग तक केंद्रीय जेल के शैक्षणिक भ्रमण में समाजशास्त्र विभाग के स. प्राध्यापिका डॉ.अर्चना तूपट , मनोविज्ञान विभाग की डॉ. चित्रा पांडे, इतिहास विभाग से शिशिर चंद्र छत्तर, राजनीति विज्ञान विभाग की डॉ. श्वेता घोष और लॉ विभाग की अंकिता ठाकुर शामिल रही।

यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो.एस.के. सिंह ने विद्यार्थियों से शैक्षिक भ्रमण से प्राप्त ज्ञान को अपनी कार्य शैली में जोड़ने एवं इस माध्यम से अनवरत सीखने की प्रेरणा दी और कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा ने इस भ्रमण की सफलता हेतु समाजशास्त्र विभाग को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए विद्यार्थियों को अतिरिक्त सभी शैक्षणिक भ्रमण से लाभ प्राप्त करने की बात कही।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में अंतर्राष्ट्रीय छात्र मिलन समारोह 2024-25 का आयोजन किया गया

अंतर्राष्ट्रीय विद्यार्थियों ने विभिन्न संस्कृतियों में दी रंगारंग प्रस्तुति और विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी ने अपने बहुप्रतीक्षित अंतर्राष्ट्रीय छात्र मिलन समारोह 2024-25 की मेजबानी की। यह एक जीवंत कार्यक्रम था जिसमें छात्रों ने अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विविधता का जश्न मनाया । विश्वविद्यालय ने विश्व भर के छात्रों का स्वागत किया, जिसमें विभिन्न देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिभागी शामिल थे। यह कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय संस्कृतियों का एक रंगारंग प्रदर्शन था, जिसमें पारंपरिक पोशाक, संगीत, नृत्य और विभिन्न वैश्विक व्यंजन शामिल थे।अपने स्वागत उद्बोधन में, यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा ने कहा कि " अनुशासन हमेशा आपके करियर को बढ़ावा

देगा और यूनिवर्सिटी आपको सर्वोत्तम संभव प्रशिक्षण की सुविधा देता रहेगा। इस यूनिवर्सिटी का संकल्प शैक्षणिक बुनियादी ढांचे के निर्माण और उन्नयन के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता है और ऐसा वातावरण प्रदान करना है जो रचनात्मकता और लीक से हटकर सोचने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देना है ।" एसआरयू के कुलपति प्रो. एस.के. सिंह ने इस सम्मेलन के आयोजक मंडल को बधाई दी। मुख्य रूप से सम्मेलन का विषय व्यक्तिगत और वैश्विक उत्कृष्टता की सराहना की । प्रो. सिंह ने कहा कि एकल सांस्कृतिक परिवेश में बहुआयामी अध्ययन-अध्यापन नहीं हो पाएगा। यह तभी संभव है, जब यूनिवर्सिटी परिसर की संस्कृति विषम होगी। विभिन्न सांस्कृतिक पृष्ठभूमि वाले छात्रों की मौजूदगी में यूनिवर्सिटी का सर्वतोन्मुखी उन्नयन संभव होगा। छात्रों के उत्साह की सराहना करते हुए यूनिवर्सिटी के प्रति- कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम ने कहा कि यह यूनिवर्सिटी अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के शैक्षणिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है और उनका समर्थन करने के साथ-साथ हमारी संस्कृति, रचनात्मकता और ज्ञान के आदान-प्रदान के बारे में हमेशा क्रियाशील है। इस तरह के आयोजन न केवल हमारे मतभेदों का कम करते हैं, बल्कि वैश्विक समुदाय के रूप में हमें एक-दूसरे के करीब भी लाते हैं। यूनिवर्सिटी परिसर में ऊर्जा का माहौल रहा, क्योंकि छात्र पहली बार परिसर में आए और पर्यावरण की सुंदरता और संतुलन के प्रतीक रूप में पौधारोपण किये । तालियों के मध्य छात्रों और शिक्षकों ने इस सांस्कृतिक आदान-प्रदान की सराहना की। श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी ने छात्रों को उनके शानदार कार्य शैली, सहभागिता और उनकी उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए स्मृति चिन्ह भेंट किया। समारोह के दौरान एकेदमिक उत्कृष्टता पुरस्कार, सांस्कृतिक राजदूत पुरस्कार, नेतृत्व पुरस्कार, प्रभावशाली छात्र पुरस्कार और विश्वविद्यालय के योग्य उम्मीदवारों को अन्य पुरस्कार दिए गए। यह कार्यक्रम एकता और आपसी सामंजस्य की भावना के साथ संपन्न हुआ, क्योंकि विभिन्न पृष्ठभूमि के छात्र आपस में मिले, विचारों का आदान-प्रदान किया और स्थायी मित्रता बनाई। अंतर्राष्ट्रीय छात्र सम्मेलन का समन्वय सुश्री अलीशा बघेल ने किया और संचालन एम.एससी. जूलॉजी के छात्र वर्नी एस. फ्रीमैन ने किया।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में भव्यता और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

प्रभात फेरी, ध्वजारोहण और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने स्वतंत्रता दिवस को बनाया अविस्मरणीय

विशिष्ट अतिथियों के संस्मरण और उद्बोधन ने विद्यार्थियों को किया प्रेरित

यूनिवर्सिटी परिसर में 78वां स्वतंत्रता दिवस धूम-धाम पूर्वक मनाया गया, जिसमें विद्यार्थियों और शिक्षकों ने अपनी देशभक्ति की भावना को प्रदर्शित किया। प्रभात फेरी के माध्यम से छात्रों ने अपने अनुशासन और एकता का प्रदर्शन किया, तत्पश्चात विशिष्ट अतिथि द्वारा ध्वजारोहण समारोह गर्व का क्षण बना और राष्ट्रगान की गूंज के बीच राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।परम्परानुरूप दीप प्रज्ज्वलन के साथ समारोह का शुभारम्भ हुआ। यूनिवर्सिटी के प्रति-कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम और कुलपति प्रो.एस.के.सिंह ने मंचासीन मुख्य अतिथि माननीय सेवानिवृत्त मुख्य न्यायमूर्ति श्री अनिल शुक्ला और विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त आई.ए.एस डॉ. संजय अलंग का पुष्पगुच्छ से स्वागत कर स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कार्यक्रम में उपस्थित सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों को सम्बोधित किया।विशिष्ट अतिथि डॉ. संजय अलंग ने सभागार में उपस्थित सभी के मुस्कुराते चेहरों को स्वतंत्रता की अनुभूति दिलाते हुए कहा कि युवा उच्च शिक्षा प्राप्त करके देश की जी.डी.पी में अपना योगदान देकर भी अपनी देशभक्ति सिद्ध कर सकते हैं। शिक्षा से प्राप्त ज्ञान को कौशल में और कौशल को दक्षता में परिवर्तन करने के लिए निरंतर अभ्यास करना आवश्यक है। अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति श्री अनिल शुक्ला ने युवाओं के साथ अपना विचार स्व-रचित कविताओं के माध्यम से साझा किया और प्रेरक किस्से साझा किए। छात्रों से स्वतंत्रता और लोकतंत्र के मूल्यों को बनाए रखने का आग्रह किया। यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. सौरभ शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी अतिथियों को कार्यक्रम में सम्मिलित होने और अपने बहुमूल्य विचार साझा करने के लिए यूनिवर्सिटी परिवार की ओर से हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त की।कार्यक्रम का समापन जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से हुआ, जहाँ एक ओर विद्यार्थियों द्वारा भारत के विभिन्न राज्यों के खादी निर्मित पोषकों का फैशन शो आयोजिय किया गया वहीं दूसरी तरफ छात्रों ने देशभक्ति के गीत, नृत्य और नाटक प्रस्तुत किए, जिससे इस पवित्र अवसर पर उल्लासपूर्ण उत्सव का माहौल बन गया और यह स्वतंत्रता दिवस समारोह एक यादगार कार्यक्रम बन गया; फलतः सभागार में उपस्थित प्रत्येक का हृदय राष्ट्र के प्रति गर्व और उत्तरदायित्व की नई भावना से ओतप्रोत हो गया।

लाउडस्पीकर पर प्रतिबंध: क्या यह उचित है? पर शोध पत्र हुआ प्रकाशित..

विधि विभाग (श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय) के सहायक प्रोफेसर डॉ. अभिषेक मिश्रा का शोध पत्र स्कूल ऑफ लैंग्वेज, लिटरेचर एंड कल्चर स्टडीज (ISSN: 0972-9682 इम्पैक्ट फैक्टर: 7.138) के जर्नल में प्रकाशित हुआ, जो जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित किया जाता है और जर्नल का प्रकार UGC CARE लिस्टेड जर्नल है। "लाउडस्पीकर पर प्रतिबंध: क्या यह उचित है?" शीर्षक वाले लेख का उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों पर लाउडस्पीकर के उपयोग के आसपास के कानूनी, सामाजिक और नैतिक आयामों का आलोचनात्मक विश्लेषण करना है। लेख का उद्देश्य सार्वजनिक व्यवस्था, धार्मिक प्रथाओं और व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर उनके प्रभाव की जांच करके ऐसे प्रतिबंधों के औचित्य का पता लगाना है। यह इस बात पर संतुलित चर्चा प्रदान करना चाहता है कि क्या लाउडस्पीकर पर प्रतिबंध शांति बनाए रखने और ध्वनि प्रदूषण को कम करने के लिए एक आवश्यक उपाय है या यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और धार्मिक प्रथाओं जैसे मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। इस विश्लेषण का उद्देश्य चल रही बहस में योगदान देना तथा ऐसी अंतर्दृष्टि प्रदान करना है जो नीति-निर्माण और कानूनी निर्णयों को सूचित कर सके।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी रायपुर में युवा उत्सव 3.0 का आयोजन
एसआरयू की सत्यप्रभा साहू ने नृत्य प्रतियोगिता और जतिन जेठुआ ने कैरम प्रतियोगिता के बने विजेता..

24 अगस्त 2024 को, श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी ने यंग इंडियंस (वाईआई) रायपुर के सहयोग से जीवंत युवा उत्सव 3.0 की मेजबानी की, जहाँ छत्तीसगढ़ राज्य की राजधानी के 12 शैक्षणिक संस्थानों के 130 से अधिक छात्रों ने अपनी प्रतिभा दिखाइ।इस कार्यक्रम में एक रोमांचक एकल नृत्य प्रतियोगिता और लोक नृत्य प्रतियोगिता के साथ-साथ एक उत्साही कैरम प्रतियोगिता भी शामिल थी। कार्यक्रम की शुरुआत कुलपति प्रो. एस.के. सिंह और रजिस्ट्रार डॉ. सौरभ कुमार शर्मा द्वारा नृत्य प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल का पुष्पांजलि के साथ स्वागत से हुई और यंग इंडियंस (यी) के सदस्य श्री कवित पसारी और श्री स्वप्निल अग्रवाल ने निर्णायक मंडल डॉ. राजश्री नामदेव, श्री दीपिन मेहता और श्री ज़िन आर.वी. का भी स्वागत किया। एकल और लोक नृत्य प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने क्लासिकल, लिरिकल हिप-हॉप, रैप-मिक्स, बॉलीवुड मिक्स गानों जैसे सजनी रे.., बोल हल्के हल्के.. आदि पर प्रस्तुति दी, जिसमें श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय की सत्यप्रभा साहू विजेता रहीं और आईटीएम विश्वविद्यालय की जे लावण्या उपविजेता रहीं। कैरम प्रतियोगिता में 75 से अधिक प्रतिभागियों ने पांच राउंड में एक-दूसरे से मुकाबला किया, जिसमें एसआरयू के जतिन जेठुआ विजेता बने।

आयोजन के विशेष कार्यक्रम में रायपुर के सिंगर आर्टिस्ट श्यामा अग्रवला ने लाइव परफॉरमेंस से सभी विद्यार्थियों, प्रतिभागियों को अपने सिंगिंग से रोमांच भर दिया।

एसआरयु में "भारतीय प्रवासन, प्रवास और विकास" विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का शुभारम्भ

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ ने "इंडियन डायस्पोरा, माइग्रेशन एंड डेवलपमेंटः अ मल्टीफेसेटेड" विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का सफल उद्घाटन हुआ। यह वेबिनार 20 अगस्त, 2024 से प्रारंभ होकर क्रमशः तीन दिनों तक चलेगा। इस महत्वपूर्ण आयोजन को ऑनलाइन गूगल मीट के माध्यम से आयोजित किया गया, यह वेबिनार को भूगोल विभाग और पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग संयुक्त तत्वाधान में

आयोजित किया जा रहा है। वेबिनार का उद्घाटन कुलपति प्रो. एस.के. सिंह, रजिस्ट्रार डॉ. सौरभ कुमार शर्मा और कला संकायाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) मनीष के. पाण्डेय द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में केएनओएमएडी और आईआईएमएडी के संस्थापक अध्यक्ष; सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज (सीडीएस), केरल के पूर्व प्रोफेसर प्रो. एस. इरुदया राजन, और विशिष्ट अतिथि एवं की नोट स्पीकर सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात, गांधीनगर, गुजरात के प्रवासी अध्ययन केंद्र के अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) नरेश कुमार भी शामिल थे। वेबिनार की समन्वयक डॉ. सुनीता सोनवानी और डॉ. संतोष कुमार ने देशभर से विद्वानों, विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं के विविध समूह को एक मंच पर साथ लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डॉ. संतोष ने विषय प्रवेश कराते हुये बताया कि भारतीय प्रवासी, प्रवास और विकास के विभिन्न आयामों का अध्ययन करते हुए लगभग 100 उच्च गुणवत्ता वाले शोध पत्र प्राप्त हुए हैं, जो इन विषयों की गहन समझ में सहायता करेंगे। इस वेबिनार में लगभग 150 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं प्रो. राजन ने अपने मुख्य भाषण में भारतीय प्रवासन के उस व्यापक संभावित क्षेत्र के बारे में बताया, जो अभी भी काफी हद तक अनछुआ है। उन्होंने भारत के विकास के लिए प्रवासी क्षमताओं का बेहतर उपयोग करने के लिए प्रवासी फैलोशिप जैसी योजनाओं की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बताया कि भारतीय प्रवासी बहुत व्यापक और प्रभावशाली क्षेत्र है, लेकिन इस समुदाय को और अधिक प्रभावी ढंग से शामिल करने के लिए अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। प्रो. (डॉ.) नरेश कुमार ने अपने संबोधन में भारतीय प्रवासी और संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के मध्य संबंधों को बताते हुये प्रवास के वैश्विक प्रभावों पर चर्चा की और इस बात की तरफ ध्यान आकर्षित किया कि विशेष रूप से गुजरात में प्रवासी समुदायों ने स्थानीय और वैश्विक विकास दोनों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। डॉ. कुमार की अंतर्दृष्टियों ने यह समझने में मदद की कि प्रवासन के विभिन्न पैटर्न कैसे व्यापक व सतत विकास के लक्ष्यों में योगदान करते हैं।कुलपति, प्रो. एस.के. सिंह ने भारत के विकास में प्रवासी समुदाय के योगदान का एक गहन अवलोकन प्रस्तुत किया। उन्होंने आर्थिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रवासी समुदाय की संभावनाओं को पहचानने और उनका लाभ उठाने के महत्व को रेखांकित किया। रजिस्ट्रार, डॉ. सौरभ कुमार शर्मा ने आगे प्रवासी समुदाय के महत्व पर विस्तार से चर्चा की, और राष्ट्रीय विकास प्रयासों में भारतीय प्रवासन को शामिल करने के लिए एक रणनीतिक दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया।इस वेबिनार ने प्रतिभागियों को वैश्विक विकास में भारतीय प्रवासी के विविध योगदानों पर विद्वतापूर्ण चर्चाओं में भाग लेने के लिए,एक मंच प्रदान किया। विषयों में प्रवासी समुदायों के सांस्कृतिक संरक्षण के प्रयासों से लेकर रेमिटेंस के आर्थिक प्रभाव तक शामिल थे। चर्चाओं ने प्रवासी के योगदान की बहुआयामी प्रकृति और इस क्षेत्र में निरंतर शोध और भागीदारी की आवश्यकता को रेखांकित किया।उद्घाटन सत्र के समापन पर कला संकायाध्यक्ष डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय ने सभी प्रतिभागियों,

वक्ताओं, विश्वविद्यालय के नेतृत्व और वेबिनार को सफल बनाने सहयोग देने वाले कर्मचारियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर डॉ. नरेश गौतम, डॉ. अंजली यादव, सुश्री मनीषा बोस, डॉ. अवधेश्वरी भगत, डॉ. पुष्पा भारती, डॉ. अर्चना तुपट, डॉ. चित्रा पाण्डेय, डॉ. सुजाता घोष, डॉ. राशि, डॉ. केवल राम चक्रधारी, डॉ. पायल, श्रीमती साधना देवांगन, सुश्री सम्प्रीति भट्टाचार्य, श्री शिशिर चंद्र छत्तर, श्री निरंजन कुमार आदि भी उपस्थित रहे।दूसरे सत्र के टेक्निकल सेशन में प्रतिभागियों ने अपने रिसर्च पेपर में वैश्विक विकास में प्रवासी भारतीयों के विविध योगदानों की चर्चा की। प्रतिभागियों ने प्रवासी भारतीय संबंधी शोध और सहभागिता की आवश्यकता पर अपने विचार रखे। यह तीन दिवसीय वेबिनार वैश्विक प्रवासन को आकार देने और विभिन्न क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देने में भारतीय प्रवासी की भूमिका पर महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टियाँ प्रदान करेगा। इस आयोजन की विश्वविद्यालय के प्रो-चांसलर श्री हर्ष गौतम द्वारा अत्यधिक सराहना की गई और विश्वविद्यालय के चांसलर अनंत विभूषित श्री रविशंकर जी महाराज द्वारा आशीर्वाद प्राप्त हुआ।

यूनिवर्सिटी ने मेजर ध्यानचंद के सम्मान में राष्ट्रीय खेल दिवस मनायादो दिवसीय आयोजन में 8 खेल स्पर्धाओं में 300 से अधिक छात्रों ने भाग लिया

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी ने भारत के महानतम खेल आइकनों में से एक मेजर ध्यानचंद की विरासत का सम्मान करते हुए 29 अगस्त 2024 को बड़े उत्साह और जोश के साथ राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया।इस आयोजन का उद्देश्य खेल कौशल, शारीरिक फिटनेस और छात्रों के जीवन में खेलों के महत्व के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना था। इस दो दिवसीय समारोह की शुरुआत विश्वविद्यालय के खेल परिसर में एक भव्य उद्घाटन समारोह के साथ हुई, जहां छात्र, संकाय सदस्य और खेल प्रेमी महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्र हुए, जिन्होंने मैदान पर अपनी उल्लेखनीय उपलब्धियों के माध्यम से भारत को अपार गौरव दिलाया। इस कार्यक्रम में प्रति–कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो.एस.के. सिंह और रजिस्ट्रार डॉ. सौरभ कुमार शर्मा की उपस्थिति रही, जिन्होंने चरित्र और अनुशासन के निर्माण में खेलों के महत्व पर जोर देते हुए एक प्रेरक भाषण दिया।यूनिवर्सिटी में बैडमिंटन, कैरम और वॉलीबॉल, बास्केट बॉल, एथलेटिक्स, लेमन रेस, सैक रेस और रस्साकशी सहित विभिन्न खेल गतिविधियां और प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।विश्वविद्यालय की खेल टीमों ने मेजर ध्यानचंद के मूल्यों को दर्शाते हुए अपनी प्रतिभा और प्रतिस्पर्धी भावना का प्रदर्शन किया। भाग लेने वालों की कुल संख्या विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के 300 से अधिक छात्र थे। खेल प्रतियोगिताओं के अलावा, मेजर ध्यानचंद के शानदार करियर के बारे में शारीरिक शिक्षा निदेशक डॉ सुमित कुमार तिवारी द्वारा विशेष विवरण दिया गया। हॉकी के जादूगर के जीवन और उपलब्धियों के विवरण ने विशेष रूप से युवा खिलाड़ियों को आकर्षित किया। यूनिवर्सिटी में राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह एक शानदार सफलता थी, जिसने भारत के महानतम खेल नायकों में से एक की विरासत के लिए एकता, खेल कौशल और सम्मान की भावना को बढ़ावा दिया। यूनिवर्सिटी में आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को आज 30 अगस्त को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र मुख्य अतिथियों द्वारा प्रदान किये जायेंगे।

नई पुस्तक का विमोचन: "क्रेयॉन्स टू कंज्यूमरिज्म; द रोल ऑफ चिल्ड्रन इन परचेजिंग" एसआरयू के प्रोफेसर और सहायक प्रोफेसर द्वारा लिखित...

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय को रक्रेयॉन्स टू कंज्यूमरिज्म; द रोल ऑफ चिल्ड्रन इन परचेजिंगश नामक एक ग्राउंड ब्रेकिंग पुस्तक के प्रकाशन की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है, जिसे प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों, प्रोफेसर डॉ. भारती पुजारी और सहायक प्रोफेसर डॉ. सिंदुरा भार्गव ने लिखा है। यह कार्य परिवार के खरीद निर्णयों में बच्चों की बढ़ती प्रभावशाली भूमिका पर प्रकाश डालता है, उपभोक्ता व्यवहार पर नई अंतर्दृष्टि और दृष्टिकोण प्रदान करता है।व्यापक शोध और वास्तविक दुनिया के उदाहरणों से आकर्षित होकर, पुस्तक यह पता लगाती है कि बच्चों की प्राथमिकताएँ, ब्रांड जागरूकता और प्रेरक शक्ति परिवारों के खरीद विकल्पों को कैसे प्रभावित करती हैं। लेखक, जो उपभोक्ता मनोविज्ञान और विपणन में अपनी विशेषज्ञता के लिए जाने जाते हैं, आधुनिक विपणन रणनीतियों को युवा दर्शकों को कैसे लक्षित करते हैं और यह समग्र खरीद प्रवृत्तियों को कैसे प्रभावित करता है, इसका व्यापक विश्लेषण प्रदान करते हैं।

प्रोफेसर डॉ. भारती पुजारी ने एक बयान में कहा, "यह पुस्तक उपभोक्ता व्यवहार की विकसित होती गतिशीलता पर वर्षों के शोध का परिणाम है, विशेष रूप से इस बात पर ध्यान केंद्रित करते हुए कि कैसे बच्चे, कम उम्र में भी, परिवार के खर्च के निर्णयों को प्रभावित करते हैं। यह अध्ययन का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है क्योंकि व्यवसाय युवा उपभोक्ताओं को आकर्षित करने के लिए अपनी रणनीतियों को तेजी से तैयार कर रहे हैं।" सहायक प्रोफेसर डॉ. सिंदुरा भार्गव ने कहा, "हमें उम्मीद है कि यह पुस्तक विपणक, शिक्षकों और माता-पिता के लिए एक मूल्यवान संसाधन के रूप में काम करेगी, जिससे उन्हें परिवार के निर्णयों में बच्चों की भूमिका और भविष्य के उपभोक्ता रुझानों को कैसे आकार दे सकती है, इसकी गहरी समझ मिलेगी।" खरीदारी में बच्चों की भूमिका से विपणन, उपभोक्ता व्यवहार और पारिवारिक अध्ययन के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान मिलने की उम्मीद है। यह पुस्तक अब प्रमुख खुदरा विक्रेताओं और विश्वविद्यालय की किताबों की दुकान के माध्यम से खरीदने के लिए उपलब्ध है।

श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी में महिला इंजीनियरों के सशक्तिकरण की दिशा में एक कदम...

तकनीकी उद्योग में विविधता और समावेशन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी, रायपुर की पाँच बी.टेक. सीएसई छात्राएं प्रतिष्ठित Accenture GEMS (गर्ल्स इन इंजीनियरिंग मेंटरशिप और सेल्फ-डेवलपमेंट) कार्यक्रम में शामिल हुई हैं। यह पहल, यूनिवर्सिटी के प्रशिक्षण और प्लेसमेंट विभाग द्वारा समर्थित, इन युवा महिलाओं के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है, जो 2026 बैच में स्नातक होने वाली हैं।यूनिवर्सिटी की लवली शर्मा, खुशबू देवांगन, सिजल मुदलियार, अंजलि साहू, और किरण विश्वकर्मा को इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के लिए चयन किया गया है, जिसका उद्देश्य भारत के भविष्य को सशक्त बनाना और एक विविध प्रतिभा पूल तैयार करना है। विभिन्न राज्यों की महिलाओं और दिव्यांग लोगों के करियर को ऊंचाई देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए, यह कार्यक्रम 12 महीने की व्यापक मेंटरशिप प्रदान करता है, जिसमें 1:1 मार्गदर्शन, तकनीकी और सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण, और 8 सप्ताह की इंटर्नशिप का अवसर शामिल है। यह पहल प्रतिभागियों को आवश्यक कौशल प्रदान करने के साथ-साथ उनके भविष्य के करियर में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए भी तैयार करती है।

GEMS कार्यक्रम में नामांकन के लिए मान्यता स्वरूप, इन छात्रों को लैपटॉप प्रदान किए गए, जो उनके मेंटरशिप यात्रा के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है। लैपटॉप यूनिवर्सिटी के सम्मानित प्रो चांसलर, श्री हर्ष गौतम द्वारा सौंपे गए, जिन्होंने छात्रों को प्रोत्साहन के साथ आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी के प्रशिक्षण और प्लेसमेंट अधिकारी (टीपीओ) श्री शादाब भी उपस्थित थे, जिन्होंने इस अवसर को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

GEMS कार्यक्रम आशा और प्रगति का एक प्रकाशस्तंभ है, जो इंजीनियरिंग में विविधता को बढ़ावा देने और प्रतिभा को पोषित करने के लिए Accenture की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जब ये युवा महिलाएं इस मेंटरशिप कार्यक्रम के माध्यम से अपनी यात्रा शुरू करती हैं, तो वे न केवल व्यक्तिगत सफलता की आकांक्षाओं को बल्कि भारत में एक अधिक समावेशी और न्यायसंगत तकनीकी उद्योग के व्यापक दृष्टिकोण को भी अपने साथ लेकर चलती हैं।

SHRI RAWATPURA SARKAR UNIVERSITY
RAIPUR (C.G.)

एक कोर्स के साथ साथ दूसरी डिग्री लेना भी अब संभव

We are offering

DUAL DEGREE

- B.Com. + B.B.A.
- M.Com. + M.B.A.
- B.A. + B.B.A.
- M.A. + M.B.A.
- M.Tech. + M.B.A.
- M.Sc. + M.B.A.
- M.Sc. + M.C.A.
- M.A. + L.L.B.
- M.Sc. + L.L.B.
- M.B.A. + L.L.B.
- B.A. / B.Sc. + B.A. / B.Sc.
  (Fashion Design / Interior Design)

इनके अतिरिक्त अन्य विकल्प भी उपलब्ध है

** Subjected to fulfillment of eligibility criteria

AFFORDABLE FEES

AVAIL UPTO 100% SCHOLARSHIP

सम्पादकीय समिति

प्रेरणाश्रोत : परम पूज्य श्री रविशंकर जी महाराज

श्री हर्ष गौतम
प्रति - कुलाधिपति

प्रो. एस. के. सिंह
कुलपति

डॉ. सौरभ कुमार शर्मा
कुलसचिव

प्रधान संपादक
राजेश तिवारी

संपादक
शुभम नामदेव

ग्राफिक्स डिज़ाइन
विवेक विश्वकर्मा